आदित्य कुमार

मंथन

जीवन जीने का अनोखा व सहज नजरिया ,
अनुभूतियाँ और प्रेरणा

मंथन

जीने का एक अनोखा व सहज नजरिया,

अनुभूतियाँ और प्रेरणा

आदित्य कुमार

अच्छा सोचिये

और

हमेशा मुस्कुराते रहिये

Text copyright © Aditya kumar

All rights reserved 2017

लेखक की बिना लिखित अनुमति के इस पुस्तक के किसी भी अंश को पुनरुत्पादित, प्रतिलिपित नही किया जा सकता । किसी भी प्राप्य प्रणाली में संरक्षित नही किया जा सकता अथवा अन्य किसी भी प्रकार से चाहे इलेक्ट्रॉनिक,मेकेनिकल, फोटोकॉपी, रिकार्डिंग में संरक्षित नही किया जा सकता।

Publication

27july 2017

Ocean'ink publication

Ocean'ink publication (insata profile)

पुस्तक परिचय

यह किसी एक विषय को लेकर लिखी गई किताब नहीं हैं न ही ये कोई कल्पनाओ में खोकर लिखी गई किताब हैं । इसमें जीवन के वो फैक्ट्स हैं जिनका पता होना हमें बेहद जरूरी हैं प्रस्तुत पुस्तक में लेखक ने जीवन के कई महत्वूर्ण विषयों जैसे जीवन कला , जीवन सूत्र , प्रेरणा , रिश्तों का महत्व , जीवन प्रबंधन , जीवन जीने के कुछ अनोखे व खूबसूरत नजरिए आदि इन सब का समावेश इस किताब में आपको मिलेगा। यह किताब लेखक ने एक दिन में सप्ताह भर में या महीना भर में नहीं लिखी बल्कि 2010 से लेकर 2016 तक लगभग 6 सालों तक जीवन को बारीकी से पढ़ने में जो कुछ सार रूप में समझ में आया उसे कागज के पन्नों पर जीवन और उम्र के विभिन्न मोड़ों पे लिखते गए , कभी स्वयं को सेल्फ मोटीवेट करने के लिए, कभी दिल के किसी भाव के लिए। इस किताब में अधिक पन्ने इसलिए नहीं जोड़े क्योंकि ज्यादातर लोग इस प्रकार की किताबों को पन्नों अधिक संख्या की संख्या देखकर ही उसे पढ़ना नहीं चाहते । आज के समय में ऐसी किताबे पढ़ने वाले लोग बेहद कम हैं क्योंकि ऐसी किताबे ज्यादातर लोगो को बोरिंग लगती हैं। ये किताब गागर में सागर हैं, भले ही इसमें पृष्ठों की संख्या कम हैं पर इसमें जीवन के अधिकतर विषयो का समावेश हैं।

ये किताब संभवत सभी के लिए उपयोगी साबित होगी। जो भी इसे पढ़ेगा चाहे वह कोई लड़का हो या लड़की, स्त्री हो या पुरुष, नवयुवक हो या वृद्ध इसमें सभी के लिए कुछ ना कुछ खास मिलेगा, लेकिन इस किताब के वास्तविक सार को वही समझ पाएगा जो केवल शब्दों को नहीं पढ़ता हो.... जो अर्थ को, भाव को पढ़ना जानता हो केवल वही इस पुस्तक के असली अर्थ तक पहुंच पाएगा । हो सकता हैं कुछ पाठकों के लिए यह सिर्फ एक पकाऊ किताब बनकर रह जाए पर जो इस किताब को समझ पाया, यह किताब उसकी आत्मा को छुए बगैर नहीं रहेगी ।

Follow & connect

Follow, contact or write any feedback to the author Aditya Kumar on followings :-

gmail: authoradityakumar012@gmail.com
Instagram @author .aditya.kumar
Facebook.com/ Aditya kumar
twitter : @0125Aditya
Linkedin: Aditya Kumar
your quote @Aditya Kumar
google plus :Aditya kumar

लेखक परिचय

आदित्य कुमार एक 25 वर्षीय युवा मोटिवेशनल लेखक हैं , इनकी लेखन के प्रति रुचि वर्ष 2009 से बनी, आरम्भ में इन्होने कई गीत (Song lyrics) व कविताएं (Poems) लिखी.... उन कविताओं का आधार आदर्श और प्रेरणा था। फिर इन्होंने दो रोमांचक उपन्यास (Novel) लिखे इस प्रकार अब तक इन्होने लगभग 6 किताबें लिखी हैं जिनका एडिटिंग कार्य अभी चल रहा हैं। चिंतनशील प्रवृति के कारण ये सेल्फ मोटिवेशनल प्रकार के रहे हैं बस, इनका स्वयं को प्रेरणा देने का तरीका थोड़ा अलग था जब भी ये खुद को एनर्जी लेस महसूस करते तो सिचुएशन के अनुसार कुछ मोटिवेशनल पंक्तियां अपनी डायरी में लिख दिया करते। इनका कहना हैं के ये शब्दों की ऊर्जा को महसूस कर सकते हैं इसलिए ये ऐसा करते हैं। लेखक ने अब तक 300 से भी अधिक कविताएं व अन्य रचनाएं लिखी हैं ।

अब तक इनकी दो पुस्तकें ई-बुक के रूप में वर्ष 2017 में इंटरनेशनल पब्लिशिंग कम्पनी किंडल (Kindle) पर प्रकाशित हो चुकी हैं।
इस पुस्तक के अतिरिक्त इनकी दूसरी पुस्तक "**मेरा जीवन और अंतर्मन**" जो की इनकी सुंदर व ह्रदयस्पर्शी कविताओं का पहला संग्रह हैं।

ये इंस्टाग्राम , फेसबुक व कुछ अन्य सोशल साइट्स पर नियमित अपने मोटिवेशनल ब्लोग्स लिखते हैं।
लेखक बहुमुखी प्रतिभा के धनी व युवा इंटरप्रेन्योर (Entrepreneur) हैं इनकी भौतिक विज्ञान (Physics) व आध्यात्म (Spirituality) में गहन रुचि हैं। ये तकनीकी क्षेत्र से संबंध रखते हैं तथा वर्तमान में पिंकसिटी के नाम से मशहूर शहर जयपुर (राजस्थान) के निवासी हैं।

आभार

मैं इस पुस्तक के बनने में दो लोगों का विशेष योगदान मानता हूं तथा इनका बहुत-बहुत आभारी हूं

जिनमें से एक हैं मेरी दोस्त एंजल का जिसने मेरे लिखे हुए विचारों को सर्वप्रथम पढ़ा , मेरे लेखन की और कविताओं की सच्ची प्रशंसा की और मेरी बुक्स की एडिटिंग करने में मेरी बहुत सहायता की हैं Thanks alot Anjel .

और दूसरे हैं मेरे फॉरएवर फेवरेट टीचर व मेरे आदर्शों में से एक रहे धीरज सर (डॉ. धीरज) जिन्होंने 12th क्लास में अपने मोटिवेशनल लेक्चर में यह समझाया कि "**यदि हम अपनी प्रतिभा का उपयोग न करे तो वो समय के साथ लोप होने लगती हैं**" उनकी इसी बात से इंस्पायर (inspire) हो मैंने लिखना जारी रखा ।

पाठकों के लिए

उनसभी प्रिय पाठको का बहुत - बहुत धन्यवाद जिन्होंने अपना अमूल्य समय देकर इस किताब को पढ़ा आशा करता हूं ये आपके जीवन में एक सकरात्मक परिवर्तन का कारण बने।

इस बुक को खरीदने वाले प्रिय पाठकों से निवेदन हैं कि किताब पढ़ने के बाद के बाद amazon.in के जिस पेज से आप इस बुक को डाउनलोड करते हैं उसी पेज के निचे एक Review का Opction होता हैं उस पर इस किताब के बारे में अपनी राय जरूर लिखे ....

और यदि इस किताब में कोई टाइपिंग मिस्टेक या कोई कमी आपको लगे तो आप मुझे मेरी gamil - id पर लिख सकते हैं।

authoradityakumar012@gmail.com